**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग**

**राज्य सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 211**

**01 दिसम्बर, 2015 को उत्तर के लिए**

**रक्षा अनुसंधान एवं विकास हेतु निधियां**

**211. डा. टी.एन. सीमाः**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान और विकास हेतु कितनी धनराशि आबंटित की गई है;

(ख) क्या सरकार रक्षा अनुसंधान तथा विकास हेतु आगामी वर्षों में निधियों के आवंटन में वृद्धि करने का विचार रखती है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

**उत्तर  
रक्षा मंत्री (श्री मनोहर पर्रीकर)**

(क) पिछले तीन वर्षों तथा मौजूदा वर्ष में रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग को आबंटित निधियों का ब्यौरा इस प्रकार है;

|  |  |
| --- | --- |
| **वर्ष** | **निधियों का आबंटन (करोड़ रुपए में)** |
| **2012-13** | **9884.94** |
| **2013-14** | **10934.17** |
| **2014-15** | **13716.14** |
| **2015-16 (बजट प्राक्कलन)** | **14358.49** |

(ख) और (ग): निधियों का आबंटन विभाग की अनुभूत आवश्यकताओं तथा निधियों की समग्र उपलब्धता के आधार पर किया जाता है।

….

**हल्के मॉड्यूलर जैकेटों की खरीद किए जाने के बारे में राज्य सभा में दिनांक 01 दिसम्बर, 2015 को उत्तर दिए जाने के लिए तारांकित प्रश्न सं. 16 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण**

(क) रक्षा अर्जन परिषद (डीएसी) ने बुलेट प्रूफ जैकेटों (बीपीजे) की पूंजीगत खरीद, जिसमें 11वीं सेना योजना में खरीदी जाने वाली 1,86,138 जैकेटें शामिल थीं, हेतु आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) दी थी।

(ख) और (ग) 1,86,138 बीपीजे की खरीद के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आएफपी) को 05 अक्तूबर, 2015 को वापस ले लिया गया क्योंकि विक्रेताओं द्वारा मुहैया कराई गई बीपीजे परीक्षणों में असफल हो गईं।

(घ) रक्षा उपस्कर की पूंजीगत खरीद रक्षा अधिप्राप्ति प्रक्रिया के उपबंधों के अनुसार की जाती है जिसमें खरीद के विभिन्न चरणों के लिए समय-सीमाएं अंतर्विष्ट होती हैं।

…